Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 3 | ग्रामीण क्षेत्र पर शासन चलाना

QUIZ-01

1. **ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल की दीवानी अधिकार कब प्राप्त हुए थे?**

A. 1757 B. 1765
C. 1772 D. 1858 (B)

व्याख्या: 1765 में मुगल सम्राट ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा में राजस्व संग्रहण का अधिकार दे दिया जिसे 'दीवानी' कहा गया।

2. **दीवानी मिलने के बाद कंपनी को किस प्रकार का लाभ हुआ?**

A. उन्हें भारतीय कानून लागू करने का हक मिला
B. उन्हें सेना रखने का विशेषाधिकार मिला
C. उन्हें राजस्व से अपनी गतिविधियाँ चलाने की आर्थिक शक्ति मिली
D. उन्हें भारतीय व्यापारियों से कर वसूलने की छूट मिली (C)

व्याख्या: दीवानी अधिकार से कंपनी को व्यापार और सेना के खर्च के लिए स्थिर आय प्राप्त हुई।

3. **1793 में लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा किस भू-राजस्व व्यवस्था की शुरुआत की गई थी?**

A. रैयतवारी व्यवस्था B. महलवारी पद्धति
C. स्थायी बंदोबस्त D. जागीरदारी नीति (C)

व्याख्या: इस व्यवस्था के तहत ज़मींदारों को भूमि का मालिक माना गया और उन्हें निश्चित वार्षिक राजस्व जमा करने का दायित्व सौंपा गया।

4. **स्थायी बंदोबस्त में किस वर्ग को भूमि का कानूनी मालिक बनाया गया था?**

A. कृषक B. अंग्रेज़ अधिकारी
C ज़मींदार D. ग्राम पंचायत (C)

व्याख्या: ज़मींदारों को भूमि का मालिक बनाकर उनसे तयशुदा कर वसूला गया, जिससे वे किसानों पर दवाब डालते थे।

5. **इस प्रणाली से किसानों को क्या नुकसान हुआ?**

A. उन्हें ज़्यादा भूमि मिल गई
B. उनका भूमि पर पारंपरिक अधिकार छिन गया
C. उन्हें राजस्व माफ़ कर दिया गया
D. वे सीधे व्यापार में लग गए (B)

व्याख्या: ज़मींदार मालिक बन गए, जिससे किसान केवल खेतिहर मजदूर बनकर रह गए और उनका भूमि पर कोई अधिकार नहीं रहा।

6. **दक्षिण भारत में कौन-सी नई व्यवस्था स्थायी बंदोबस्त की जगह लागू की गई थी?**

A. ज़मींदारी व्यवस्था B. रैयतवारी प्रणाली
C. महलवारी योजना D. लगान सुधार नीति (B)

व्याख्या: मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसी में रैयतवारी व्यवस्था लागू की गई जिसमें किसान सीधे सरकार को राजस्व देते थे।

7. **रैयतवारी व्यवस्था में कर किससे सीधे वसूला जाता था?**

A. ज़मींदार B. गाँव के मुखिया
C. रैयत (किसान) D. मंडी अधिकारी (C)

व्याख्या: इस व्यवस्था में मध्यस्थ हटाकर किसान और सरकार के बीच सीधा संबंध स्थापित किया गया।

8. **अंग्रेजों ने भारत में नील की खेती को क्यों बढ़ावा दिया?**

A. क्योंकि वह पारंपरिक फसल थी
B. क्योंकि वह जल्दी तैयार होती थी
C. क्योंकि यूरोप में उसकी भारी माँग थी
D. क्योंकि वह मिट्टी को उपजाऊ बनाती थी (C)

व्याख्या: नील से कपड़े रंगे जाते थे और यूरोप में इसकी माँग इतनी अधिक थी कि अंग्रेजों ने इसे किसानों से जबरन उगवाना शुरु कर दिया।

9. **'तीनकठिया प्रथा' का संबंध किससे था?**

A. भूमि पर लगने वाले कर से B. सिचाई के प्रकार से
C. किसानों को नील की खेती के लिए मजबूर करने की प्रणाली से
D. व्यापारिक संधि से (C)

व्याख्या: तीनकठिया के तहत किसानों को अपने खेत के तीन हिस्से में नील की खेती करनी पड़ती थी, जिससे उन्हें नुकसान उठाना पड़ता था।

10. **1859-60 का नील विद्रोह क्या दर्शाता है?**

A. किसानों की ब्रिटिश शासन के प्रति निष्ठा
B. नील उत्पादन का गिरना
C. भारतीय किसानों का अत्याचार के खिलाफ संगठित विरोध
D. सिचाई प्रणाली में सुधार की आवश्यकता (C)

व्याख्या: यह विद्रोह किसानों द्वारा अंग्रेज़ों के शोषण और नील की जबरन खेती के विरोध में था, जिसमें उन्होंने संगठित होकर आंदोलन किया।

विद्या ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App